NSMCH में श्री बालाजी मंदिर और चार धाम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन

दैनिक जागरण 06.02.25

बिहटा में जल यात्रा के साथ बालाजी सह चारो धाम मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा शुरू

संवाद सूत्र, जागरण ● बिहटा : एनएनएमसीएच अस्पताल के प्रांगण में बाला जी तिरुपति बालाजी मंदिर एवं चारो धाम मंदिर में स्थापित प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर धार्मिक अनुष्ठान तिरुपति, रामेश्वरम, उत्तराखंड , बनारस सहित देश-प्रदेश से आए दर्जनों विद्वानों ने वैदिक मंत्रोच्चारण व शंखनाद के साथ शुरू किया। इससे पहले कालेज के महासचिव एमएम सिंह, निदेशक कृष्ण मुरारी सिंह, नीतू सिंह, मिठ्ठी कुमारी, विभा सिंह, रामा-शिवा आदि महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर बाजे-गाजे के साथ पूरे मंदिर परिसर की परिक्रमा कर मनेर से हल्दी छपडा गंगा घाट पहुंच जलभरी कर पुनः यज्ञ स्थल पहुंचे। इसके बाद पंचांग पूजन, वेदी पूजन,जलाधिवास एवं आरती की गयी। एमएम सिंह ने कहा कि बिहार वासियों के लिए यह बालाजी एवं चारो धाम मंदिर आस्था का केंद्र होगा एवं दर्शन मात्र से मनोकामना की पूर्ति भी होगी। एनएनएमसीएच अस्पताल के प्रांगण में तिरुपति बालाजी के मंदिर के साथ साथ जगन्नाथपुरी, बद्रीनाथ, रामेश्वरम सहित चारो धाम का मंदिर का निर्माण कराया गया है। तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा मंगलवार से शुरू हुआ है। सत्संग और साधना से मिलती है ईश्वर की कृपा : छोटे बापूजी महाराज : भागवत कथा आत्मा को शुद्ध करती है और जीवन के उद्देश्य को समझने में मदद करती है। भागवत कथा सुनने से भगवान की प्राप्ति होती है। जीवन में समर्पण, सत्संग और साधना के द्वारा ईश्वर की कृपा प्राप्त की जा सकती है। ये बातें कथावाचक छोटे बापू जी महाराज ने बिहटा के एनएनएमसीएच अस्पताल के प्रांगण में बाला जी तिरुपति बालाजी एवं चारो धाम मंदिर की तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा पर आयोजित सत्संग में कहीं। उन्होंने कहा कि कथा-सत्संग में भगवान से मिलन का सौभाग्य प्राप्त होता है। जिस प्रकार मां अपने बच्चे को गोद में लेकर उस पर अपना स्नेह लुटाती है उसी प्रकार सत्संग में भगवान का प्यार लुटाया जाता है। उन्होंने कहा कि बालाजी की कृपा बरस रही है। इसका कोई अंत नहीं है पर अफसोस कि हम उसे देख नहीं पा रहे हैं। उसका लाभ नहीं ले पा रहे। अयोध्या से रामलीला समिति के द्वारा भव्य झांकी निकाली गई।

बालाजी मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा में पूजा–अर्चना करते उपमुख्यमंत्री ● जागरण

उपमुख्यमंत्री पहुंचे बिहटा के तिरुपति बालाजी मंदिर

गुप्त नवरात्र महाअष्टमी पर बिहटा के एनएनएमसीएच अस्पताल के प्रांगण में बालाजी एवं चारो धाम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं धार्मिक अनुष्ठान के अवसर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, पूर्व मंत्री रामकृपाल यादव पहुंचे। मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर नारियल फोड़कर प्रदेश और देश के लोगों के लिए मंगल कामना की। वहीं पूजन के बाद कॉलेज निदेशक कृष्ण मुरारी सिंह एवं मंदिर के पुजारियों ने उपमुख्यमंत्री का मंत्रोच्चार के साथ अंग वस्त्र और बालाजी की तस्वीर भेंटकर सम्मान किया।

प्राण–प्रतिष्ठा से पूर्व निकाली गई कलश यात्रा में शामिल निदेशक व अन्य

प्रतिमा विसर्जन को लेकर निकाली गई शोभायात्रा

संस, जागरण, दानापुर : दानापुर व खगौल में बुधवार को मां सरस्वती की विदाई श्रद्धालुओं ने दी। भक्ति गीतों के साथ मां सरस्वती की विसर्जन शोभा यात्रा निकाली गई। विभिन्न शिक्षण संस्थानों व वत्सों द्वारा आयोजित सरस्वती पूजा सम्पन्न हो गया। कुछ जगह पर बुधवार को भी लोग प्रतिमा रखे रहे। विसर्जन शोभायात्रा में गाजे बाजे के साथ अबीर गुलाल एक दूसरे को लगाते एवं उड़ाते हुए युवाओं की टोली शामिल रही। नगर के विभिन्न घाटों पर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। दानापुर एवं खगौल पुलिस जगह–जगह तैनात रही।

शव से आंख गायब होने के 52 दिनों बाद जांच को पहुंची आयोग

चौथे दिन भी नहीं हुआ आंखों का आपरेशन, दो दिन बाद संभावित

जागरण संवाददाता, पटना सिटी

तेलघानी आयोग का गठन करे बिहार सरकार

राजमार्ग पर बाइक सवार बदमाशों ने युवती से मोबाइल छिना

संवाद सूत्र, जागरण ● मनेर : राष्ट्रीय

बिहटा, पटना:

नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (NSMCH) परिसर में स्थित **श्री बालाजी मंदिर** और **चार धाम मंदिर** की प्राण-प्रतिष्ठा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर **धार्मिक अनुष्ठान, वैदिक मंत्रोच्चारण और भव्य शोभायात्रा** का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भाग लिया।

यह **तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम** था, जिसमें **श्री बालाजी, रामेश्वरम, बद्रीनाथ, द्वारका और पुरी** के प्रतीकात्मक मंदिरों की स्थापना कर उन्हें प्राण-प्रतिष्ठा दी गई। **NSMCH के चेयरमैन श्री एमएम सिंह और एमडी श्री कृष्ण मुरारी** ने इस शुभ आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह मेडिकल कॉलेज के **आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक समर्पण** को दर्शाता है।

गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति

इस भव्य आयोजन में कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और इसे एक ऐतिहासिक धार्मिक समारोह बना दिया। **नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (NSMCH) के एमडी श्री कृष्ण मुरारी** और **चेयरमैन श्री एमएम सिंह** ने इस आयोजन का नेतृत्व किया और इसे संस्थान के आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान का प्रतीक बताया।

इस शुभ अवसर पर **धार्मिक गुरु दंडी स्वामी विद्यानंद जी** ने वैदिक मंत्रोच्चारण और अनुष्ठानों का मार्गदर्शन किया। इसके अलावा, **बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री बिहार**

सरकार की मंत्री श्रीमती रेणु देवी ने भी अपनी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा बढ़ाई।

कार्यक्रम को सफल बनाने में **आयोजन समिति के अध्यक्ष नीतू सिंह** और **सदस्य गुरु शरण सिंह, मिट्ठू कुमार, और विष्णु सिंह** का विशेष योगदान रहा। इनके समर्पण और प्रयासों से यह तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

भोजपुरी कलाकारों का भक्ति संध्या में योगदान

इस आयोजन की सांस्कृतिक भव्यता को बढ़ाने के लिए **भोजपुरी फिल्म जगत के प्रसिद्ध कलाकार** भी शामिल हुए। **भोजपुरी गायक एवं अभिनेता कल्लू, भोजपुरी गायिका निशा पांडेय** और **भोजपुरी गायिका कल्पना पटवारी** ने अपनी भक्ति संगीतमयी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन कलाकारों की प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया और लोगों को भक्ति में डूबने का अवसर प्रदान किया।

यह आयोजन **NSMCH के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों** को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसमें **श्रद्धालुओं, चिकित्सकों, विद्यार्थियों और स्थानीय प्रशासन** ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और इसे यादगार बनाया।

तीन दिवसीय कार्यक्रम का विवरण

श्री बालाजी मंदिर और चार धाम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का यह आयोजन **तीन दिवसीय धार्मिक समारोह** का हिस्सा था। इसमें शामिल प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ थीं:

- **पहला दिन:** वैदिक मंत्रोच्चारण और धार्मिक अनुष्ठान।
- **दूसरा दिन:** शोभायात्रा और भजन संध्या, जिसमें भोजपुरी कलाकारों ने प्रस्तुति दी।
- **तीसरा दिन:** शोभायात्रा और भजन संध्या,विसर्जन समारोह।

NSMCH का आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान

NSMCH न केवल चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान है, बल्कि **सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों** को भी बढ़ावा देता है। अस्पताल प्रशासन का मानना है कि **चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ मानसिक और आध्यात्मिक शांति भी आवश्यक है**।

NSMCH के चेयरमैन श्री एमएम सिंह ने कहा:
"संस्थान का उद्देश्य सिर्फ मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना नहीं है, बल्कि

नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी बढ़ावा देना है। यह आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखने का एक प्रयास है।"

NSMCH के एमडी श्री कृष्ण मुरारी ने कहा:
"अस्पताल केवल इलाज का स्थान नहीं है, बल्कि यह मानसिक और आध्यात्मिक शांति प्रदान करने का भी माध्यम है। यह आयोजन हमारे संस्थान की सामाजिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारियों की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।"

भंडारे की व्यवस्था

तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन में **भक्तों और श्रद्धालुओं के लिए विशेष भंडारे** की व्यवस्था की गई थी। **सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया** और इस धार्मिक अनुष्ठान का लाभ उठाया।

भंडारे में **विशेष रूप से शुद्ध सात्विक भोजन** परोसा गया, जिसमें **खिचड़ी, पूड़ी-सब्जी, हलवा, और अन्य पारंपरिक प्रसाद** शामिल थे। इस सेवा का संचालन **NSMCH प्रशासन और आयोजन समिति** के सहयोग से किया गया, जिससे किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

भोजन वितरण में **स्वयंसेवकों और विद्यार्थियों** ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

NSMCH की आध्यात्मिक और सामाजिक प्रतिबद्धता

यह आयोजन **NSMCH के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों** को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसमें **श्रद्धालुओं, चिकित्सकों, विद्यार्थियों और स्थानीय प्रशासन** ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और इसे यादगार बनाया। **संस्थान भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजन करता रहेगा, जिससे समाज में आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा मिले।**